

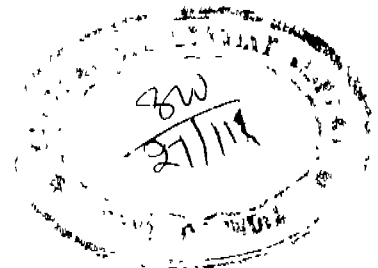


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY,

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 165]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 28, 1989/भाद्र 6, 1911

No. 165]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 28, 1989/BADHRA 6, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 159 आई टी सी (पी एन)/88-91

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1989

विषय: — प्रक्रिया पुस्तक, 1988-91

फा.सं. 3/56/87-ई.पी.सी. : — वाणिज्य मंत्रालय की 30 मार्च, 1988 की सार्वजनिक सूचना सं. 2 आई टी सी (पी एन)/88-91 के तहत प्रकाशित यथार्थसंगोहित प्रक्रिया पुस्तक 1988-91 की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. उक्त प्रक्रिया पुस्तक में निम्नोक्त संशोधन नीचे उल्लिखित उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे :—

क्रम	प्रक्रिया पुस्तक	संदर्भ	संशोधन
सं.	1988-91 की पृष्ठ संख्या		
1	2	3	4
1.	53	अध्याय-15 पैरा 316	मौजूदा पैरा 316 को निम्न प्रकार से संशोधित किया जाएगा :— “316 (1) निर्यात के मूल बैंक प्रमाण-पत्र खो जाने के मामले में, पंजीकृत निर्यातकों से आर.टी.पी. लाइसेंसों की मंजूरी के लिए प्राप्त आवेदन-पत्रों पर सम्बन्धित लाइसेंसिंग कार्यालय जिसका प्रधान उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के स्तर से कम का न

1

2

3

4

हो और जिसके क्षेत्राधिकार में पंजीकृत/कम्पनी का मुख्यालय/फर्म स्थित हैं, द्वारा विचार किया जाएगा। यदि किसी मामले में पात्र आवेदक का कार्यालय ऐसे लाइसेंसिंग कार्यालय के क्षेत्राधिकार में पड़ता है जिसका प्रधान उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के स्तर से कम का है तो उस मामले में आवेदन-पत्र सीधे ही सम्बन्धित क्षेत्रीय संयुक्त मुख्य नियंत्रक को भेजे जाएँ परन्तु एक अतिरिक्त आवेदन-पत्र सहायक मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को भी भेजा जाएँ जिसके क्षेत्राधिकार में आवेदक आता है। ऐसे आवेदन-पत्रों के साथ निम्नोक्त प्रलेखों को भी संलग्न किया जाएगा।

- (1) नौबहन बिल की ई.पी. प्रति;
- (2) सभी निर्धारित प्रलेख मूल रूप में;
- (3) सम्बन्धित बैंक द्वारा खोए गए मूल प्रमाण-पत्र के बदले जारी किए गए निर्यात के बैंक प्रमाण-पत्र की दूसरी प्रति
- (4) बैंक से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र कि उक्त निर्यातों के सम्बन्ध में विदेशी मुद्रा वसूल कर ली है।
- (5) मूल बैंक प्रमाण-पत्र खोए जाने के सम्बन्ध में निर्यातक द्वारा इस वायदे के साथ एक हलफनामा कि बाद में यदि यह पाया गया तो इसे सम्बन्धित लाइसेंसिंग अधिकारी को लौटा दिया जाएगा; और
- (6) निर्यातक द्वारा इस आशय का एक क्षतिपूर्ति बण्ड कि खोए गए बैंक प्रमाण-पत्र पर जारी आर.ई.पी. के मद्दे यदि कोई वित्तीय हानि होती है तो वह उसकी क्षतिपूर्ति रुपये में करेगा।

2- खोए गए मूल बैंक प्रमाण-पत्र पर दावों के लिए अनुमेय समय और आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस के मूल्य में कमी निम्न प्रकार से की जाएगी : —

- (1) निर्यात अवधि के अन्तिम महीने से 6 महीने की अवधि तक प्राप्त आवेदन पत्रों पर 10% तक की कटौती
- (2) निर्यात अवधि के अन्तिम महीने से छः महीने की अवधि के उपरान्त परन्तु 12 महीने के भीतर प्राप्त आवेदन पत्रों पर 15% तक की कटौती
- (3) निर्यात अवधि के अन्तिम महीने से 12 महीने की अवधि के उपरान्त परन्तु 18 महीने के भीतर प्राप्त आवेदन पत्रों पर 20% तक की कटौती
- (4) निर्यात अवधि के अन्तिम महीने से 18 महीने की अवधि के उपरान्त परन्तु 24 महीनों के अन्दर प्राप्त आवेदन-पत्र 25% तक की कटौती
- (5) निर्यात अवधि के अन्तिम महीने से 24 महीने की अवधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को “कालबाधित” रूप में सरगरी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जाएगा”

3. उपर्युक्त संशोधन लोकहित में किए गए हैं।

तेजेन्द्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE

## Import Trade Control

PUBLIC NOTICE NO. 159-ITC(PN)/88-91

New Delhi, the 28th August, 1989

Subject : Hand-Book of Procedures, 1988—91.

F. No. 3/56/87-EPC.—Attention is invited to the Hand Book of Procedures, 1988-91, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC(PN)/88—91 dated the 30th March, 1988 as amended

2. The following amendments shall be made in the said Hand Book at appropriate places indicated below :—

Sl. No.	Page No. of Handbook of Procedures, 1988-91	Reference	Amendments
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	53	Chapter-XV Para 316	<p>The existing para 316 shall be amended as under :</p> <p>“316(1). In the case of loss of original Bank Certificate of exports, applications for grant of REP licences may be considered from the Registered exporters by the concerned licensing offices headed by an officer not below the rank of a Dy. Chief Controller of Imports &amp; Exports) within whose jurisdiction, the Registered/Head office of the company/firm is located. In case the Office of the eligible applicant falls within in the jurisdiction of a licesding office which is headed by an officer below the rank of Dy. Chief Controller of Imports and Exports, the application shall be made directly to the concerned Zonal Joint Chief Controller of Imports and Exports but one additional application may be sent to the Asstt. Chief Controller of Imports &amp; Exports, in whose jurisdiction the applicant falls. Such applications shall be accompanied by the following documents : —</p> <p>(i) EP Copy of the shipping bill;</p> <p>(ii) All the prescribed document in original;</p> <p>(iii) Duplicate copy of ne ‘Bank Certificate of export’ issued in lieu of the original lost, by the concerned bank;</p> <p>(iv) A certificate from the bank certifying that the foreign exchange against the exports in question has been realised;</p>

---

(1)	(2)	(3)	(4)
-----	-----	-----	-----

---

(v) An affidavit by the exporter about loss of original bank certificate and promising that the same would be surrendered to the concerned licensing authority in case the same is subsequently found; and

(vi) An Indemnity Bond by the exporter to the effect that he would indemnify the Government for the financial loss, in rupees, if any, on account of REP licences issued against the lost Bank Certificate.

2. The time allowed for preferring claims against the lost original bank certificate and the extent of cut in the value of the Import Replenishment licence will be as under :

(i) Applications received upto a period of 6 months from the last month of the export period—10 per cent cut.

(ii) Applications received after a period of 6 months from the last month of the export period but within 12 months—15 per cent cut.

(iii) Applications received after a period of 12 months from the last month of the export period but within 18 months—20 per cent.

(iv) Applications received after a period of 18 months from the last month of the export period but within 24 months—25 per cent cut.

(v) Applications received after a period of 24 months from the last month of the export period shall be summarily rejected as time-barred."

---

3. The above amendments have been made in public interest.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports & Exports